# स्नातक प्रथम वर्ष हेतु
# माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम
# विषय– संस्कृत

| Programme/Class: **Certificate**<br>कार्यक्रम / वर्ग– **सर्टिफिकेट** | Year– **First**<br>वर्ष– **प्रथम** | Semester- **I or II**<br>सेमेस्टर– **प्रथम या द्वितीय** |
|---|---|---|

**विषय– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम)**

**नोट–** यह पाठ्यक्रम (स्नातक प्रथम वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन अभ्यर्थी स्नातक प्रथम वर्ष के (प्रथम या द्वितीय) किसी भी सेमेस्टर में कर सकते हैं।

| प्रश्न पत्र कोड– A020101M | प्रश्न पत्र शीर्षक–<br>**व्यावहारिक संस्कृत व सामान्य व्याकरण–बोध** |
|---|---|

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर संस्कृत साहित्य के विविध स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में संस्कृत विषय के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।
- विद्यार्थियों को अपने आस–पास की वस्तुओं को देखने, सुनने व समझने के लिए एक संस्कृतमय दृष्टि विकसित होगी, जिससे विषय के साथ–साथ विद्यार्थियों का भी उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों हेतु संस्कृत शब्दकोश का ज्ञान होगा।
- संस्कृत–व्याकरण का सामान्य ज्ञान, संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण–कौशल का विकास होगा।
- स्वर–व्यंजन तथा भाषा सम्बन्धित शब्दावलियों का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

| Credits: **6** | **Core Compulsory** |
|---|---|
| Max. Marks: **25 + 75** | Min. Passing Marks: |

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **4-0-0.**

| **Unit** इकाई | **Topics** पाठ्य विषय | **No. of Lectures**<br>व्याख्यान संख्या |
|---|---|---|

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
अयोध्या

| | | |
|---|---|---|
| **प्रथम भाग (PART-1)** | | |
| I | संस्कृत में संख्याओं का ज्ञान (1–100 तक) | 10 |
| II | संस्कृत में दिनों के नाम, मास, पक्ष, दिशा, घड़ी आदि का सामान्य परिचय। | 15 |
| III | गृहोपयोगी तथा दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों के लिए सामान्य संस्कृत शब्दावली का ज्ञान। | 15 |
| **द्वितीय भाग (PART-2)** | | |
| IV | लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरण पर आधारित, माहेश्वरसूत्र का ज्ञान, प्रत्याहार निर्माण का अभ्यास | 15 |
| V | लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरण पर आधारित वर्णों के उच्चारण स्थान व उनके प्रयत्न का अभ्यास। | 15 |
| VI | लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर निम्नलिखित संधियों का सामान्यबोध (केवल संधिविच्छेद का ज्ञान)– दीर्घसंधि, गुणसंधि, वृद्धिसंधि, यणसंधि, अयादिसंधि, श्चुत्वसंधि, ष्टुत्वसंधि। | 20 |

**संस्तुत ग्रन्थ–**

- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक, रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद
- वरदराजकृत, लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार, आचार्य डॉ0 सुरेन्द्र देव स्नातक शास्त्री, प्रकाशक, चौखम्भा ओरियण्टालिया, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, व्याख्याकार, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली, संस्करण 1993
- वाक्यव्यवहारः, सम्पादक, वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, प्रकाशक, केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालयः नवदेहली
- संस्कृत–हिन्दी व्यावहारिक शब्दावली, लेखक– चन्द्रदेव त्रिपाठी
- शब्दसामर्थ्यम्, सम्पादक, डॉ0 चन्द्रकान्त दत्त शुक्ल, प्रकाशक, चातुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थानम् काशी, उत्तरप्रदेश

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

**सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**

**प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–**

**(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइमेण्ट)** **15 अंक**

**अथवा**

**वर्णों के उच्चारण स्थान व प्रयत्न की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा**

**अथवा**

27/10/24

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़

| माहेश्वरसूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य या मौखिकी<br>(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक |
|---|
| Course prerequisites:<br>सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL) |
| Suggested equivalent online courses:<br>.................................................................................................... |
| Further Suggestions:<br>.................................................................................................... |

V. Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

# स्नातक द्वितीय वर्ष हेतु
# माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम
# विषय– संस्कृत

| Programme/Class: **Diploma**<br>कार्यक्रम / वर्ग– **डिप्लोमा** | Year– **Second**<br>वर्ष– **द्वितीय** | Semester- **III or IV**<br>सेमेस्टर– **तृतीय या चतुर्थ** |
|---|---|---|
| **विषय– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम)**<br>**नोट**– यह पाठ्यक्रम (स्नातक द्वितीय वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन अभ्यर्थी स्नातक द्वितीय वर्ष के (तृतीय या चतुर्थ) किसी भी सेमेस्टर में कर सकते हैं। | | |
| प्रश्न पत्र कोड– A020202M | प्रश्न पत्र शीर्षक– **संस्कृत नाटक व व्याकरण–बोध** | |
| Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**<br>• विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य परम्परा व नाट्यविधा को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे। | | |

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्यन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़

- नाटक की पारिभाषिक शब्दावलियों से परिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
- संवाद व अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्धवाक्य विन्यास कौशल, विभक्ति, संधि व संज्ञाओं की परख व समझ विकसित होगी।
- शब्दों की प्रकृति व प्रत्यय को समझकर भाव–बोधन में समर्थ होंगे।

| Credits: **6** | **Core Compulsory** |
|---|---|
| Max. Marks: **25 + 75** | Min. Passing Marks: |

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **4-0-0.**

| **Unit** इकाई | **Topics** पाठ्य विषय | **No. of Lectures** व्याख्यान संख्या |
|---|---|---|
| | **प्रथम भाग (PART-1)** | |
| I | **संस्कृत नाट्य साहित्य परम्परा एवं नाट्योत्पत्ति के सिद्धान्त।** | 10 |
| II | **निम्नलिखित संस्कृत नाटककारों एवं उनके प्रमुख नाटकों का सामान्य परिचय– भास, कालिदास, भवभूति।** | 10 |
| III | **'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' चतुर्थ अंक** | 30 |
| | **द्वितीय भाग (PART-2)** | |
| IV | **लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थ प्रकरण** | 15 |
| V | **लघुसिद्धान्तकौमुदी– आधारित निम्नलिखित प्रत्ययों का सामान्य परिचय– तव्य, तव्यत्, अनीयर, क्त्वा, तुमुन्, ल्यप्** | 15 |
| VI | **लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थ प्रकरण प्रकरण पर आधारित सामान्य संस्कृत अनुवाद।** | 10 |

**संस्तुत ग्रन्थ–**

- कालिदासकृत, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, व्याख्याकार, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी प्रकाशक, रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक

प्रो० वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्ययन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ़

रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद

- संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्कृत संस्थान वाराणसी
- वरदराजकृत, लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार, आचार्य डॉ0 सुरेन्द्र देव स्नातक शास्त्री प्रकाशक, चौखम्भा ओरियण्टालिया, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, व्याख्याकार, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- शब्दसामर्थ्यम्, सम्पादक, डॉ0 चन्द्रकान्त दत्त शुक्ल, प्रकाशक, चातुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थानम् काशी, उत्तरप्रदेश

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

**सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**

**प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–**

**(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइमेण्ट)** **15 अंक**

**अथवा**

**श्लोकों के उच्चारणगत शुद्धता, विभक्तिज्ञान, विशेष्य–विशेषण व संधि की परख सम्बन्धित प्रायोगिक / मौखिक परीक्षा**

**अथवा**

**पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्ययाधारित शब्दों में, उन प्रत्ययों का अन्वेषण रूपी परियोजना कार्य**

**(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय)** **10 अंक**

Course prerequisites:

**सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**

Suggested equivalent online courses:

.......................................................................................

Further Suggestions:

.......................................................................................

V. Kumar R.P. mishra Anurag Mishra 21/10/24

*****

वन्दना पाण्डेय
संयोजक
संस्कृत अध्यन परिषद
महाराजा सुहेलदेव राज्य वि०वि०
आजमगढ़